अध्याय 2: भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र

2.1 प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र

परिभाषाएँ और उदाहरण

- **प्राथमिक क्षेत्र**:
- **परिभाषा**: इसमें प्राकृतिक संसाधनों का निष्कर्षण और उत्पादन शामिल है।
- **उदाहरण**: कृषि (चाय, गेहूँ), मछली पकड़ना, खनन (कोयला), वानिकी।
- **मुख्य बिंदु**: यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था का आधार बनाता है।
- **द्वितीयक क्षेत्र**:
- **परिभाषा**: विनिर्माण और निर्माण पर केंद्रित।
- **उदाहरण**: वस्त्र मिलें, इस्पात संयंत्र, भवन निर्माण।
- **मुख्य बिंदु**: कच्चे माल को तैयार माल में परिवर्तित करता है।
- **तृतीयक क्षेत्र**:
- **परिभाषा**: सेवाएँ प्रदान करता है।
- **उदाहरण**: बैंकिंग, परिवहन, शिक्षा, आईटी सेवाएँ।
- **मुख्य बिंदु**: भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा क्षेत्र।

परीक्षा युक्तियाँ

- **आरेख**: सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में प्रत्येक क्षेत्र का हिस्सा दर्शाने वाला वृत्त आलेख (उदा., प्राथमिक के लिए 15%, द्वितीयक के लिए 25%, तृतीयक के लिए 60%)।
- **संभावित प्रश्न**:
- "प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों को उदाहरण सहित परिभाषित करें।"
- "भारत में तृतीयक क्षेत्र सबसे बड़ा क्यों है?"

SATHEE

2.2 कृषि से उद्योग और सेवाओं की ओर परिवर्तन

ऐतिहासिक संदर्भ

- **1950 से पूर्व**:
- भारत की अर्थव्यवस्था **मुख्यतः कृषि प्रधान** थी (कुल कार्यबल का 70% से अधिक)।
- **हरित क्रांति (1960 के दशक)**: कृषि उत्पादकता बढ़ी लेकिन कार्यबल में कमी नहीं हुई।
- **1990 के बाद (उदारीकरण)**:
- **औद्योगीकरण** विनिर्माण और अवसंरचना के विकास के साथ शुरू हुआ।
- **सेवा क्षेत्र का विस्तार**: आईटी, दूरसंचार और वित्त तेजी से बढ़े।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

वर्तमान योगदान (एनसीईआरटी के अनुसार)

क्षेत्र	जीडीपी में योगदान	रोजगार हिस्सेदारी
प्राथमिक	~15-18%	~50%
द्वितीयक	~25%	~20%
तृतीयक	~57-60%	~30%

परीक्षा युक्तियाँ

- **आरेख**: प्राथमिक क्षेत्र में रोजगार के पतन और तृतीयक क्षेत्र में रोजगार के उदय को दर्शाने वाला रेखा आलेख (1950–2020)।
- **संभावित प्रश्न**:
- "भारत में कृषि से उद्योग और सेवाओं की ओर परिवर्तन की व्याख्या करें।"
- "भारत में तृतीयक क्षेत्र अब सबसे बड़ा क्यों है?"

2.3 सार्वजनिक और निजी क्षेत्र

परिभाषाएँ और भूमिकाएँ

- **सार्वजनिक क्षेत्र**:
- **परिभाषा**: सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण में।
- **उदाहरण**: भारतीय रेलवे, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल), रक्षा मंत्रालय।
- **भूमिका**: सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करना, आवश्यक सेवाएँ प्रदान करना (जैसे, बिजली, स्वास्थ्य सेवा)।
- **निजी क्षेत्र**:
- **परिभाषा**: व्यक्तियों या निजी कंपनियों के स्वामित्व में।
- **उदाहरण**: रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा समूह, इन्फोसिस।
- **भूमिका**: नवाचार, दक्षता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।

मुख्य अंतर

पहलू	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र
स्वामित्व	सरकार	व्यक्ति/कंपनियाँ
फोकस	सामाजिक कल्याण, अवसंरचना	लाभ अर्जन
विनियमन	भारी सरकारी निगरानी	बाजार-संचालित

© 2023-2025 Copyright SATHEE

परीक्षा युक्तियाँ

- **संभावित प्रश्न**:
- "सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बीच अंतर स्पष्ट करें।"
- "भारत के विकास के लिए सार्वजनिक क्षेत्र क्यों महत्वपूर्ण है?"
- **महत्वपूर्ण बिंदु**:
- सार्वजनिक क्षेत्र समान विकास सुनिश्चित करता है, जबकि निजी क्षेत्र प्रतिस्पर्धा को बढ़ाता है।

2.4 क्षेत्रों पर वैश्वीकरण का प्रभाव

मुख्य अवधारणाएँ

- **आउटसोर्सिंग**:
- **परिभाषा**: कंपनियाँ कार्य करने के लिए बाहरी फर्मों को काम पर रखती हैं (उदा., भारत में बीपीओ)।
- **उदाहरण**: टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा आईटी सेवाएँ, विप्रो द्वारा ग्राहक सहायता।
- **बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ (एमएनसी)**:
- **परिभाषा**: वैश्विक स्तर पर कार्य करने वाली बड़ी कंपनियाँ (उदा., माइक्रोसॉफ्ट, गूगल)।
- **प्रभाव**:
  - **सकारात्मक**: निवेश, प्रौद्योगिकी और रोजगार लाती हैं।
  - **नकारात्मक**: मजदूरी असमानताएँ और स्थानीय व्यवसायों के साथ प्रतिस्पर्धा उत्पन्न हो सकती हैं।

रोजगार और मजदूरी पर प्रभाव

- **रोजगार**:
- **सकारात्मक**: आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में वृद्धि से लाखों रोजगार सृजित हुए।
- **नकारात्मक**: पारंपरिक उद्योगों (जैसे, हथकरघा) में गिरावट।
- **मजदूरी**:
- **सकारात्मक**: कुशल श्रमिक (जैसे, सॉफ्टवेयर इंजीनियर) उच्च मजदूरी कमाते हैं।
- **नकारात्मक**: अकुशल श्रमिकों को मजदूरी स्थिरता का सामना करना पड़ता है।

परीक्षा युक्तियाँ

- **आरेख**: वैश्वीकरण की श्रृंखला दर्शाने वाला प्रवाह आलेख (एमएनसी → आउटसोर्सिंग → रोजगार सृजन)।
- **संभावित प्रश्न**:
- "वैश्वीकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित किया है?"
- "भारत पर एमएनसी के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव क्या हैं?"

© 2023-2025 Copyright SATHEE

मुख्य बिंदुओं का सारांश

- **क्षेत्र**: प्राथमिक (कृषि), द्वितीयक (विनिर्माण), तृतीयक (सेवाएँ)।
- **परिवर्तन**: वैश्वीकरण और सुधारों के कारण भारत कृषि से सेवाओं की ओर बढ़ा।
- **सार्वजनिक बनाम निजी**: सार्वजनिक क्षेत्र कल्याण सुनिश्चित करता है; निजी क्षेत्र नवाचार को बढ़ावा देता है।
- **वैश्वीकरण**: अवसर लाता है लेकिन असमानता जैसी चुनौतियाँ भी।

महत्वपूर्ण सूत्र/आँकड़ा:
- **जीडीपी योगदान**: तृतीयक क्षेत्र भारत की जीडीपी में ~57-60% योगदान देता है (एनसीईआरटी, 2023)।
- **रोजगार हिस्सेदारी**: प्राथमिक क्षेत्र भारत के कार्यबल का ~50% रोजगार देता है (एनसीईआरटी, 2023)।

{}

कृषि, मछली पकड़ना और खनन जैसी गतिविधियाँ किस क्षेत्र में शामिल हैं?

1. [x] प्राथमिक क्षेत्र
2. [ ] द्वितीयक क्षेत्र
3. [ ] तृतीयक क्षेत्र
4. [ ] उपरोक्त सभी

भारत की अर्थव्यवस्था में तृतीयक क्षेत्र सबसे बड़ा क्यों है?

1. [ ] यह सबसे कम विकसित क्षेत्र है।
2. [ ] इसमें स्टील और निर्माण जैसे उद्योग शामिल हैं।
3. [x] यह बैंकिंग, शिक्षा और आईटी जैसी सेवाएँ प्रदान करता है।
4. [ ] यह सबसे अधिक विनियमित क्षेत्र है।

भारत में कृषि से सेवाओं की ओर परिवर्तन का मुख्य कारण क्या था?

1. [ ] कृषि निर्यात में वृद्धि।
2. [x] वैश्वीकरण और आर्थिक उदारीकरण।
3. [ ] जनसंख्या में गिरावट।
4. [ ] सरकारी खर्च में कमी।

भारत की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में तृतीयक क्षेत्र का अनुमानित योगदान कितना है?

1. [ ] 15-18%
2. [ ] 25%
3. [x] 57-60%
4. [ ] 30%

© 2023-2025 Copyright SATHEE

भारत के कार्यबल का सबसे बड़ा हिस्सा कौन सा क्षेत्र रोजगार देता है?

1. [x] प्राथमिक क्षेत्र
2. [ ] द्वितीयक क्षेत्र
3. [ ] तृतीयक क्षेत्र
4. [ ] सभी क्षेत्र समान रूप से

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख भूमिका क्या है?

1. [ ] शेयरधारकों के लिए अधिकतम लाभ सुनिश्चित करना।
2. [x] सामाजिक कल्याण और आवश्यक सेवाएँ सुनिश्चित करना।
3. [ ] केवल तकनीकी नवाचार पर ध्यान केंद्रित करना।
4. [ ] सरकारी निगरानी कम करना।

वैश्वीकरण के संदर्भ में आउटसोर्सिंग क्या है?

1. [x] कार्य करने के लिए बाहरी फर्मों को काम पर रखना।
2. [ ] सरकारी विनियमों में कमी करना।
3. [ ] बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ विलय करना।
4. [ ] घरेलू उद्योगों को बंद करना।

भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNCs) का नकारात्मक प्रभाव क्या है?

1. [x] मजदूरी में असमानताएँ और स्थानीय व्यवसायों के साथ प्रतिस्पर्धा।
2. [ ] कृषि उत्पादकता में वृद्धि।
3. [ ] बेरोजगारी में कमी।
4. [ ] शिक्षा में निवेश कम होना।

हरित क्रांति ने भारत के कार्यबल को कैसे प्रभावित किया?

1. [x] इसने कृषि उत्पादकता बढ़ाई लेकिन रोजगार नहीं।
2. [ ] इसने कृषि में काम करने वाले लोगों की संख्या कम की।
3. [ ] इसने सभी श्रमिकों को तृतीयक क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया।
4. [ ] इसने ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक बेरोजगारी पैदा की।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

भारत की अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र की क्या भूमिका है?

1. [x] नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।
2. [ ] संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करना।
3. [ ] केवल सार्वजनिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना।
4. [ ] बाजार में प्रतिस्पर्धा कम करना।

{}

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE